एम.एच.डी

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 एवं जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य-2020-21

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्यों की पुस्तिका है। इसमें एम.एच.डी.-02, 03, 04 और 06 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं। ये 8-8 क्रेडिट के पाठ्यक्रम हैं और आपको हर पाठ्यक्रम में एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे गए हैं।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए "विवेचना" नाम से आलोचनात्मक लेखों के संग्रह भेजे गए हैं। पाठ्यक्रम 2, 3 तथा 4 में "विविधा" नाम से मूल साहित्यिक कृतियों का संकलन किया गया है। पाठ्यक्रमों में शामिल नाटक और उपन्यासों को प्राप्त करने की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। आपसे अपेक्षा की जाती है कि सत्रीय कार्य करने से पहले इन सभी कृतियों को पढ़ लें।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. एम.ए. हिंदी के पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

	अनुक्रमांक : .....
	नाम : .....
	पता : .....
पाठ्यक्रम का नाम/कोड :	.....
सत्रीय कार्य कोड :	.....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड :	दिनांक : .....

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
6. अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास **जुलाई 2020 सत्र के लिए 31 मार्च 2021 एवं जनवरी 2021 सत्र के लिए 30 सितंबर 2021** तक अवश्य जमा करा दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
2. व्याख्या से संबंधित काव्यांशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा, शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
5. आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
6. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें तथा जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दें।
7. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डो पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड: एम एच डी - 4

सत्रीय कार्य कोड: एम एच डी- 4/टी एम ए/2020-2021

कुल अंक - 100

1) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **10×4= 40**

क) समष्टि मे ही व्यष्टि रहती है।व्यक्तियों से ही जाति बनती है। विश्व - प्रेम ,सर्वभूत - हित- कामना परम धर्म है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि अपने पर प्रेम न हो,इस अपने ने क्या अन्याय किया है जो इसका वहिष्कार हो ?

ख) पता नही प्रभु है या नही किंतु उस दिन यह सिद्ध हुआ जब कोई भी मनुष्य अनाशक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है। नियति नही है पूर्व-निर्धारित उसको हर क्षण मानव - निर्णय बनाता- मिटाता है ।

ग) पुरुष कहता है- " फिर तब हमारी आत्मा और शरीर के मंथन से जो निकलेगा ,वह हमे मार डालेगा।" पुरुष अपने भविष्य से भयभीत हैं।उसका सृजन ही उसे मार डालेगा।चाहे वह संतति हो या विनाशकारी आयुध हो।

घ) "भूखे रहने पर सबको पेडा अच्छा लगता है पर चौबे जी पेट भर भोजन के उपर भी पेडे पर हाथ फेरते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि चौबे जी को मिष्ठान से अधिक रुचि है।यह अभिरुचि भी लोभ की चेष्टाएं उत्पन्न करती हैं।

2) भारतेन्दु ने " अंधेर नगरी" के माध्यम से तत्कालीन व्यवस्था के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण व्यक्त किया है? **10**

3) तांबे के कीड़े की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए उसकी प्रतीक योजना को भी स्पष्ट कीजिए। **10**

4) भाषा शैली की दृष्टि से धोखा का सोदाहरण विवेचन कीजिए। **10**

5) हिंदी जीवनी साहित्य में कलम का सिपाही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।इस कथन की समीक्षा कीजिए। **10**

6) **निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियां लिखिए।** **5×4=20**

क) आत्मकथा क्या भूलूं क्या याद करूं

ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध "कुटज"

ग) नुक्कड़ नाटक औरत का प्रतिपाद्य

घ) अंधा युग का नाट्य शिल्प